"For Gods sake, Zia, do not indulge in this wrong reverse type of race, otherwise you will smoother yourself and not us. We our friend. We are not out to attack. My Prime Minister has a big mind. She gave everything that you asked for—I mean you predecessor. Think about mean your predecessor. Think about that we will help you. Why not? This sub-continent has to live by itself. We are both a prime force and we should be friendly. Therefore, we will help you in all matters."

Sir, I am a trained up man and I have to take notice of your bell. I must, therefore, stop. I have a few things to say, but now I cannot A gracious kindness on your part to let me speak and indulge in this.

15.57 hrs.

ANNOUNCEMENT RE. SUSPENSION OF LUNCH

MR. CHAIRMAN: Before I call upon the next speaker, I have to announce that the Business Advisory Committee at its sitting held today have recommended that the lunch-hour might be dispensed with till the 2nd February, 1980. I hope the House agrees with it.

Accordingly there will be no lunch break from tomorrow the 30th January, 1980.

Shri N. C. Prashar. We are sitting upto 4 P.M. You have only seven minutes.

15.58 hrs.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—*Contd.*

प्रो० नारायण चन्द पाराशर (हमीरपुर) : माननीय सभापति जी, मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर आये धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि सातवीं संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति जी ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के जन्म दिवस पर किया और इन्दिरा जी के नेतृत्व में यह संसद एक ऐतिहासिक रोल अदा करने जा रही है।

राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में सब से महत्वपूर्ण जो बात कही गई है वह है इस प्रकार की प्लानिंग के प्रति, योजनाबद्ध विकास के प्रति कमिटमेंट की। हमें खेद है कि हमारी पिछली सरकार ने जो मोरारजी देसाई के नेतृत्व में चलती रही और जनता पार्टी के कार्यक्रम को अपनाती रही, उसने प्लानिंग के कंसेप्ट को सब से ज्यादा हानि पहुंचाई। यह देश का दुर्भाग्य रहा है कि नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का नाम लेने वाली और महात्मा गांधी की समाधि पर कसम खाने वाली सरकार ने रोलिंग प्लान का कंसेप्ट निकाला जिसके द्वारा प्लान को ही रोल कर दिया गया। छठा प्लान बन नहीं सका, सातवें की तो बात ही क्या। इस प्लान के बनने के पहले ही जनता पार्टी के मोरारजी देसाई और चौधरी चरण सिंह सभी रोल हो गये।

मेरा कहना यह है कि देश ने आज नहीं आज से 40 साल पहले, जब कांग्रेस का अधिवेशन बम्बई में हुआ था तो नताजी सुभाषचन्द्र बोस की अध्यक्षता में एक प्रस्ताव पास किया गया था कि योजनाबद्ध विकास के जरिये से देश के सब से ज्यादा गरीबों की किस्मत को सुधारा जाएगा। जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में एक कमेटी बनायी गयी थी और बाबू सुभाषचन्द्र बोस की सलाह से बनायी गयी थी ताकि प्लानिंग के जरिये से इस देश की किस्मत को सुधारा जा सके।

मुझे मालूम है कि जनता पार्टी में कुछ ऐसे तत्व थे जिन का प्लानिंग में न कभी विश्वास रहा था और न है क्योंकि उनके वास्ते तो प्लानिंग का मतलब यही था बड़े बड़े जो लोग है, जो अमीर लोग हैं और जो बड़े बड़े राज घराने हैं, उनकी ही सेवा की जाए और उनकी सेवा करने के सिवाए और कुछ प्लानिंग का मतलब नहीं है। सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था, कांग्रेस ने कहा था कि प्लानिंग के प्रति हम को कटिबद्ध होना है क्योंकि प्लानिंग से ही हर गरीब आदमी की झोंपड़ी में प्रकाश का दीप जलाया जा सकता है। इस वास्ते यह प्लानिंग का कंसेप्ट रखा गया था। इस प्लानिंग को तीन साल तक की छुट्टी दे दी गई, इससे बड़ा दुर्भाग्य देश का और क्या हो सकता था। नेशनल डिवेलेपमेंट काउंसिल की मीटिंग बुलाई गई उस में छठी योजना का स्वरूप स्थिर नहीं किया जा सका और विभिन्न प्रान्तों से आए हुए मुख्य मंत्रियों और दूसरे लोगों को यह कह दिया गया कि हम को इस नीति पर विश्वास नहीं है। यह देश के इतिहास में सब से ज्यादा अंधकारमय युग था जब प्लानिंग को छोड़ दिया गया और गरीबों के प्रति जो हमारा संकल्प था सेवा भाव का, उसको भी छुट्टी दे दी गई। इसके लिए जो सजा श्री मोरार जी देसाई और जनता पार्टी को दी गई है वह सब के सामने है। एक कोने से दूसरे कोने तक एक ऐसी ज्वाला उठी कि जनता पार्टी तारीख से ही मिट गई। ये लोग आपस में लड़ते रहे हैं। भारत की जनता ने एक काम बहुत अच्छा किया है। जो जगजीवन राम जी और